पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल ने जनपद पीलीभीत में गांव वासियों और महिला कृषकों से मिलीं

सब्जियों के उत्पादन में किसी भी प्रकार की रासयानिक खादों व दवाओं का प्रयोग न करें

—राज्यपाल श्रीमती आंनदीबेन पटेल

लखनऊः 23 नवम्बर, 2022

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जनपद पीलीभीत भ्रमण के आज तीसरे दिन सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित ग्राम मटैया लालपुर में गांव वासियों से मुलाकात और वार्ता, सब्जी उत्पादक कृषकों एवं प्रगतिशील किसानों, महिला कृषक समूहों से मुलाकात और वार्ता की।

राज्यपाल जी ने मटैया लालपुर प्राथमिक विद्यालय में जिला पंचायत अध्यक्ष ,क्षेत्रीय ग्राम प्रधानों, महिला अध्यक्षों, संत विनोबा सेवा आश्रम के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा महिला समूहों के कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा की महिलाएं जब किसी काम को सामूहिक रूप से प्रारम्भ करती हैं तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने महिलाओं के कृषि तथा अन्य उत्पादों को बड़ा बाजार उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि इन उत्पादों को सुव्यवस्थित विपणन प्राप्त हो जाने से एक सुरुचिपूर्ण विकास देखने को मिलेगा।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में स्थानीय महाविद्यालयों और स्कूलों के विद्यार्थियों को गावों में भ्रमण कराने, यहां की आवश्यकताओं से परिचित कराने, गावों में प्रोजेक्ट कार्य कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा ग्रामीण उद्योग और हस्त निर्मित उत्पादों के निर्माण को सुगम करने हेतु प्रोजेक्ट दिए जाएँ तो बेहतर परिणाम प्राप्त होंगें।

राज्यपाल जी ने ग्राम प्रधानों को आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के साथ जुड़कर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की स्वास्थय योजनाओं का लाभ ग्रामवासियों को दिलवाने, गांव के प्रत्येक

शिशु को शिक्षा हेतु आंगनवाड़ी भेजने, सभी सरकारी योजनाओं का लाभ गॉव के लाभार्थियों को दिलवाने में सक्रिय सहयोग करने को कहा। उन्होंने अपने सम्बोधन में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु टीका लगवाने, क्षय रोगियों को गोद लेने, जल संरक्षण करने के साथ–साथ महिला स्वयं सहायता समूहों के कार्यों की भी विशेष चर्चा की।

राज्यपाल जी ने गाँव में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण भी किया। इस दौरान आंगनबाडी केन्द्र में पढ़ रहे बच्चों से शिक्षा की गुणवत्ता परखी और आंगनबाड़ी केन्द्र को सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए बच्चों को पढ़ने हेतु कुर्सी, मेज, विभिन्न प्रकार खिलौने, खाना खाने हेतु प्लेटें सहित अन्य वस्तुएं प्रदान की। राज्यपाल जी ने इस अवसर पर रमनगरा क्षेत्र की संस्कृति प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में विशेष चूल्हा, चटाई बुनाई, बांस की डलिया की बुनाई, विशेष कंडा बनाने की कला का प्रदर्शन किया गया था। उन्होंने आर्गेनिक खेती की विभिन्न प्रकार की सब्जियों के लगे स्टॉलों एवं बंगाली बुनकारों द्वारा बनाई गई चटाई को भी देखा और महिला कृषकों द्वारा उत्पादित की गई सब्जियों की प्रशंसा की।

इसी क्रम में किसानों से भेट वार्ता के दौरान राज्यपाल जी ने उनके उत्पादों की जानकारी ली और जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। सब्जी उत्पादन से जुड़े किसानों से राज्यपाल जी ने सब्जी के पोषक तत्वों पर चर्चा करते करते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका को विकसित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सब्जियों के उत्पादन में किसी भी प्रकार की रासयानिक खादों व दवाओं का प्रयोग न करें और आर्गेनिक खेती पर जोर दिया जाये। सब्जियों के उत्पादन में कम्पोस्ट व गोबर की खाद का प्रयोग करें, जिससे की सभी को शुद्व सब्जियॉ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि सब्जी का उत्पादन बढेगा–समाज से कुपोषण हटेगा। राजयपाल जी ने सब्जी महिला कृषको का विशेष रूप से उत्साहवर्धन किया और उनके उत्पादों को विपणन से जोड़ने पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में राज्यपाल ने 09 महिलाओं को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया।

———

डा0 सीमा गुप्ता/राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 831811636

जब सब्जी उत्पादन बढ़ेगा-समाज से कुपोषण हटेगा
श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
का महिला सब्जी उत्पादकों को
आशीर्वाद
दिनांकित- 23 नवम्बर 2022

जब सब्जी उत्पादन बढ़ेगा-समाज से कुपोषण हटेगा
श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
का महिला सब्जी उत्पादकों को
आशीर्वाद